मध्यप्रदेश राज्य सेवा मुख्य परीक्षा

सामान्य अध्ययन वर्ष 2000

प्रथम प्रश्न–पत्र

1. निम्नलिखित छः प्रश्न खण्डों में से किन्हीं चार प्रश्नों खण्डों पर, प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में, संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये–

   (क) प्रोटोजोआ (ख) मुण्डा विद्रोह

   (स) भारत की जनसंख्या (द)गाँधी–इरविन समझौता

   (ङ) भारत की जनसंख्या (च) एडवर्ड किंग कमीशन।

2. निम्नलिखित छः प्रश्न खण्डों में से किन्हीं चार प्रश्न खण्डों पर, प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखियें–

   (क) नाइट्रोजन चक्र (ख) राज्य के राज्यपाल के अधिकार

   (ग) द्रोणाचार्य पुरस्कार (घ) टेनिस के रिकार्ड ग्रान्ड स्लैम विजेता

   (ङ) महेन्द्र चौधरी (च) गर्दनीबाग दुर्घटना

3. भारतीय संस्कृति की विशेषताओं का सविस्तार वर्णन कीजिये।

   अथवा

   भारत संविधान की विशेषताओं का सविस्तार वर्णन कीजिये।

4. 1857 की क्रांति के कारणों का विवेचन कीजिए।

   अथवा

   भारत को, प्राकृतिक रचना के आधार पर, कितने भागों में बाँटा गया है? प्रत्येक का विवरण लिखिये।

5. भारत में कृषि क्षेत्र के शोध संस्थानों का वर्णन कीजिए।

   अथवा

   भारत में पाई जाने वाली विभिन्न प्रजातियों का वर्णन कीजिए।

मध्यप्रदेश राज्य सेवा मुख्य परीक्षा

सामान्य अध्ययन वर्ष 2000

द्वितीय प्रश्न–पत्र

भाग–1 / चंतज.ϒ

1. मध्यप्रदेश को कितने भौगोलिक क्षेत्रों में बाँटा गया है? मालवा के पठार का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

अथवा

छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थित बताते हुए इसकी जलवायु का वर्णन कीजिए।

अथवा

बघेलखण्ड के प्राकृतिक पर्यावरण और भौगोलिक संरचना का परिचय दीजिए।

2. मध्यप्रदेश में साक्षरता की स्थिति का वर्णन कीजिए।

अथवा

वन्य–प्राणी संरक्षण की दृष्टि से मध्यप्रदेश में विकसित राष्ट्रीय उद्यानों का परिचय दीजिए।

अथवा

मध्यप्रदेश में ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या अनुपात को स्पष्ट कीजिए।

3. मध्यप्रदेश की प्रमुख 'पनबिजली परियेाजनाओं' का परिचय दीजिए।

अथवा

मध्यप्रदेश में कोयले की उपलब्धि और ऊर्जा के लिए उसके उपयोग का वर्णन कीजिए।

अथवा

मध्यप्रदेश में ऊर्जा के गैर–परम्परागत स्त्रोंतों का वर्णन कीजिए।

4. पर्यावरण से आप क्या समझते ह? ग्रामीण क्षेत्रों में वायु प्रदूषण रोकने के उपाय बताइये।

अथवा

मध्यप्रदेश राज्य शासन के योजना मण्डल के गठन व कार्यक्रमों का विवरण दीजिए।

अथवा

मध्यप्रदेश में पंचायती राज का विवरण लिखिये।

5. मध्यप्रदेश के समन्वित ग्राम विकास कार्यक्रम का विवरण लिखिये।

अथवा

मध्यप्रदेश में खेल–कूद के विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों का उल्लेख कीजियें।

अथवा

मध्यप्रदेश में नेशनल केडेट कोर की गतिविधियों पर प्रकाश डालियें।

6. संस्कृत साहित्य में कालिदास के योगदान का उल्लेख कीजिये।

अथवा

केशव एवं उनके ग्रन्थों का वर्णन कीजियें।

अथवा

स्वाधीनता संग्राम में पं. माखनलाल चतुर्वेदी की कविता का क्या योगदान है?

7. बुन्देलखण्ड के जन–जीवन में 'ईसुरी' की लोकप्रियता पर टीप लिखिये।

अथवा

लोक कवि 'घाघ' का वर्णन कीजिये।

अथवा

मध्यप्रदेश के 'करमा' व 'राई' नृत्यों का वर्णन कीजिये।

8. मध्यप्रदेश के 'माच' स्वांग' व 'भरतानाट' लोकनाट्यों का वर्णन कीजिए।

अथवा

मध्यप्रदेश में आदिवासियों के 'काष्ठ शिल्प' 'कंघीशिल्प' व' गुड़िया शिल्प' का वर्णन कीजिये?

9. मध्यप्रदेश की गौंड व कोरकू जनजातियों के निवास के प्रमुख क्षेत्र एवं उनकी विशेषताएं बताइये।

अथवा

मध्यप्रदेश के 'डांगवाला' व' एरण' के पुरातात्विक वैभव का परिचय दीजिये।

अथवा

मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित 'मध्यप्रदेश तुलसी अकादमी व कालिदास अकादमी' की गतिविधियों पर प्रकाश डालिये।

10. नये मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना कब एवं कैसे हुई?

अथवा

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी व कुल हिन्द अल्लामा इकबाल अदबी मरकज पर टीप लिखिये।

अथवा

भोपाल स्थित 'भारत–भवन' की विभिन्न गतिविधियों का परिचय दीजिए।

मध्यप्रदेश राज्य सेवा मुख्य परीक्षा

सामान्य अध्ययन वर्ष 2000

तृतीय प्रश्न–पत्र

1. निम्नलिखित वाक्यों की अधिकतम सौ–सौ शब्दों में व्याख्या कीजियेः

(क) प्रगतिशील होने के नाम पर जड़ हो जाना और आस्थावादी होने के नाम पर कट्टर बन जाना, दुराग्रही होना है।

(ब) साहित्य मन के स्तर पर होने वाली व्याकुलता की अभिव्यक्ति है।

(स) भाषा मनुष्य के मुँह,गले और सिर में फिट की गई मशीन ही नहीं है, मनुष्य की संगिनी भी है इसलिए क्योंकि वह जीवन के निरन्तर बगर रहे सत्य को समेटने में मदद करती है।

(द) सभ्यता जब स्वतः प्रसूत ढंग से प्रगति करती है ओर सचेतन रूप से नियंत्रित नहीं होती तो अपने पीछे रेगिस्तान छोडती जाती है।

(ङ) धीरज, धर्म, मित्र अरू नारी, आपातकाल परिखयहिं चारी।

2. निम्नलिखित गद्यांश से सम्बद्ध प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मैं उसको ही भारतीय संस्कृति में गिनता हूँ जो सर्वोत्तम है, अर्थात् मनुष्य को पशुसुलभ धरातल से अधिक से अधिक ऊपर उठाने में और मानवता के सिंहासन पर अधिक से अधिक दृढ़तापूर्वक बैठाने में समर्थ है। जो बातें मनुष्य को जड़ता की ओर पशु–सुलभ स्वार्थ, लोभ–मोह और जुगुप्सित आचरण की ओर ले जाने वाली है, उन्हें मैं संस्कृति का प्रतिपन्थी मानता हूँ। इस श्रेष्ठ मानवीय प्राप्ति को भारतीय संस्कृति इसलिए कहता हूँ कि वे भारतीय संदर्भ में भारतीय मनीषियों द्वारा पुरूस्कृत है। इस भारतीय संस्कृति के दीर्घकालीन इतिहास ने कुछ आधारभूत मान्यता का अनुसंधान किया है। हर व्यक्ति को, देवता हो चाहे दानव,

पुरूष हो या स्त्री अपने किये का फल भोगना पडता है। इसे कर्मफल का सिद्धान्त कहते है। फिर इस कर्मफल को भोगने के लिए मनुष्य अनेक जन्म ग्रहण करता है, जब तक वह संपूर्ण फल भोग नहीं लेता तब तक उसका निस्तार नहीं होता। यह पुनर्जन्म का सिद्धान्त है।

मनुष्य की दृष्टि जब तक तप, भक्ति, सेवा, समाधि, व्रत, अध्ययन आदि द्वारा संक्षेप में योग द्व ारा शुद्ध नहीं होती तब तक वह प्राणी आवागमन के जाल से मुक्त नहीं होता। यह आवागमन ही भव या संसार है। ये कुछ ऐसे सामान्य स्वीकृति तथ्य है। जो भारतवर्ष के हर मत और हर सम्प्रदाय में स्वीकृत है। विदेशी विद्वानों ने तो पुनर्जन्म के सिद्धान्तों को भारतीय संस्कृति का लक्षण माना है। संसार में कहीं भी यह बात नहीं पायी जाती, बद्धमूल होने की तो बात ही कहाँ उठती है। बौद्ध और जैन धर्मों के आंदोलन में भी इन बातों को ज्यों का त्यों मान लिया है। यही कारण है कि धीरे–धीरे ये मत विशाल संस्कृति धारा के अभिन्न अंग बन गये है। बुद्ध और वृषभ भी विष्णु के अवतार बन गये है।

प्रश्न –

(क) भारतीय संस्कृति में किस श्रेष्ठ मानवीय प्राप्ति को स्वीकार गया है?

(ख) कर्मफल का सिद्धान्त क्या है?

(ग) पुनर्जन्म का सिद्धान्त किसे माना गया है?

(घ) प्राणी आवागमन के जाल से कब तक मुक्त नहीं होता है?

(ड.) विदेशी विद्वानों ने किस सिद्धान्त भारतीय संस्कृति का लक्षण माना है।

3. निम्नलिखित गद्यावतरण का संक्षेपण उसके एक–तिहाई शब्दों में करते हुए इसके लिए एक साथ शीर्षक का चयन कीजिए :

गाँधी जैस कालजयी व्यक्तियों को उनके कृतित्व की परिधि में देखे जोने की जरूरत है उस कृतित्व की उलब्धियों का यशोगान जरूरी नहीं। जरूरी यह है कि यह जानने का यत्न करे कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? गाँधी के संदर्भ में एक शब्द बार–बार प्रयुक्त होता है, सत्याग्रह। सवाल यह है कि सत्य जब है तो फिर उसके लिए इतना आग्रह क्यों? वास्तव में यह ''सत्याग्रह'' गाँधी का अहिंसक हठ था, सच तो मौजूद था लेकिन उस सच को उजागर करने के लिए बार–बार आग्रह करने की आवश्कता थी। यदि ये आग्रह नहीं किए गये होते गाँधी द्वारा तो सच तो विद्यमान रहता लेकिन वह सुषुप्त पड़ा रहता, हम पराधीन ही रहते, स्वतंत्र होने की चेतना जागती ही नहीं।

इन अर्थों में गाँधी ऐसे पहले दृष्टा पुरूष हैं जिन्होनें अपने समय के समसामयिक प्रश्नों के हल खोजने के लिए तत्कालीन समाज की दृष्टि को विस्तार दिया और ऐसी चेतना का संचार किया जिसकी परिणती स्वतंत्रता में होनी थी, केवल अंग्रेजों के आधिपत्य से मुक्ति के अर्थ में नहीं बल्कि मनुष्य की हर प्रकार की स्वतंत्रता के रूप मे। गाँधी ने भारत को ही आजाद नहीं कराया, हर भारतीय को भी हर प्रकार के बंधनों से मुक्त किया। वे मार दिए गए लेकिन मरने के दिन से ही इतने जीवन्त होते जाते है कि उनकी प्रासंगिकता कभी समाप्त

नहीं होती। आज इसी गाँधी की आवश्यकता है जो कर्मण्य आचारण के रूप में हर भारतीय में विद्यमान रहे।

आज गाँधी के नाम पर किसी गाँधीवाद की कतई जरूरत नहीं क्योंकि गाँधी तब गैर प्रासंगिक सिद्ध हुए है जब उन्हें बाद के परिप्रेक्ष्य में समझने की कोशिश हुई। प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय पुरूष थे। उन्हें महिमा पुरूष, कहना या मानना उचित नहीं है। इसलिए गाँधी के नाम पर पनपे छद्म गांधीवाद से मुक्ति पाए और उस गांधी को आत्मसात करें जो पारदर्शी आचरण के संकल्प पुरूष के रूप में खिल उठा था, जिसकी गंध आज भी व्याप्त है चारो ओर, और जरूरत इसी बात की है कि इस गंध में डूबकर वादी न रह पायें, सच्चे गांधी हो जाएँ। गांधी एक सार्थक कर्म की गंध के आकार पुरूष है और हमें गांधी के वाद को नहीं उनकी गंध को आत्मसात करना है।

4. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) दूर के ढोल सुहावने (ख) मन चंगा तो कठौती में गंगा

(ग) नक्कारखाने में तूती की आवाज (घ) हमारी बिल्ली हमसे ही म्याऊँ

(ड.) काला अक्षर भैंस बराबर।

5. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो समानार्थी शब्द लिखकर उनके अर्थ वाक्यों में प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए –

(क) कमल (ख) रात (ग) बादल (घ) सूर्य (ड.) नारी

6. निम्नलिखित शब्द–युग्मों का अर्थ लिखिए और वाक्यों में उनके प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अंतर स्पष्ट हो जाये –

(क) सर्ग–स्वर्ग (ख) अभय–उभय

(ग) गृह–ग्रह (घ) सर्वदा–सर्वाथ।

7. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

(क) राम, जो कल बीमार था, ने आज भी दवा नहीं खाई।

(ख) ईश्वर ने अनेकों रूप है।

(ग) बुरे से बुरा आदमी समय आने पर ठीक हो जाते है।

(घ) परीक्षा में नकल करनी अनुचित है।

(ड.) डॉ. शंकरदयाल शर्मा की मृत्यु का समाचार सुनकर हमारा प्रदेश खेद में डूब गया।

8. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 300 शब्दों में हिन्दी में एक निबंध लिखिए

—

(क) नई सहस्राब्दी में अहिंसा की प्रासंगिकता

(ख) मध्यप्रदेश के प्रमुख मेले

(ग) जीवन में पुस्तकों का महत्व

(घ) विश्वव्यापी आतंकवाद और उसका समाधान

(ड.) भारत की विदेश नीति।